उत्तराखंड पी.सी.एस. पाठ्यक्रम : प्रारंभिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की वर्तमान घटनाएँ
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
- भारतीय और विश्व भूगोल - भारत और विश्व का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल
- भारतीय राजनीति और शासन - संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, सार्वजनिक नीति, अधिकार मुद्दे, आदि
- आर्थिक और सामाजिक विकास - सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र की पहल, आदि
- पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन पर सामान्य मुद्दे
- सामान्य विज्ञान

सिविल सेवा अभिवृत्ति परीक्षा (सीसैट)

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता

मुख्य परीक्षा

मुख्य परीक्षा में आने वाले विषय निम्नलिखित हैं:

भाषा:

- सामान्य हिंदी और अंग्रेजी व्याकरण तथा निबंध।

भारतीय इतिहास, राष्ट्रीय आंदोलन, सामाजिक और संस्कृति:

- प्राचीन काल से आधुनिक काल तक कला रूप, साहित्य और वास्तुकला
- स्वतंत्रता संग्राम - इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न हिस्सों से महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता/ योगदान।
- आधुनिक भारतीय इतिहास अठारहवीं शताब्दी के मध्य से लेकर वर्तमान तक- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, मुद्दे।
- भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ।
- भारत की विविधता महिलाओं और महिलाओं के संगठनों की भूमिका, जनसंख्या और संबंधित मुद्दे, गरीबी और विकास संबंधी मुद्दे, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके उपचार।
- भारतीय समाज पर वैश्वीकरण के प्रभाव सामाजिक सशक्तिकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।
- विश्व के इतिहास में 18वीं शताब्दी की घटनाएँ शामिल होंगी जैसे औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद, राजनीतिक दर्शन जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद, आदि- उनके रूप और समाज पर प्रभाव।

भारतीय प्रशासन, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

- भारतीय संविधान- ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।
- संघ और राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से संबंधित मुद्दे एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर तक शक्तियों व वित्त का हस्तांतरण और चुनौतियाँ।

- शासन, पारदर्शता और जवाबदेही के महत्त्वपूर्ण पहलू, ई-गवर्नेंस- अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और क्षमता; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता तथा जवाबदेही, और संस्थागत व अन्य उपाय
- लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका
- सरकार के कार्यकारी और न्यायपालिका मंत्रालयों और विभागों की संरचना, संगठन और कामकाज; दबाव समूह एवं औपचारिक/अनौपचारिक संघ एवं राजनीति में उनकी भूमिका
- विभिन्न अंगों के बीच शक्तियों का पृथक्करण निवारण तंत्र और संस्थानों को विवाद करता है।
- विकास प्रक्रियाएँ और विकास उद्योग गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दाताओं, दान, संस्थागत तथा अन्य हितधारकों की भूमिका
- केंद्र और राज्यों द्वारा आबादी के कमज़ोर वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिये गठित तंत्र, कानून, संस्थान एवं निकाय
- अन्य देशों की संसद और राज्य विधानसभाओं के साथ भारतीय संवैधानिक योजना की तुलना - संरचना, कामकाज, व्यवसाय का संचालन, शक्तियाँ और विशेषाधिकार तथा इनसे उत्पन्न होने वाले मुद्दे
- विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे
- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे
- गरीबी और भूख से संबंधित मुद्दे
- महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, एजेंसियाँ और मंच, उनकी संरचना, जनादेश
- भारत और उसके पड़ोस- संबंध द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से जुड़े समझौते और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले मुद्दे, भारतीय प्रवासी पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

भारत और विश्व का भूगोल:

- महत्त्वपूर्ण भूभौतिकीय घटनाएँ जैसे भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी गतिविधि, चक्रवात आदि।
- स्वतंत्रता के बाद देश के भीतर एकीकरण और पुनर्गठन
- विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ विश्व भर में प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप सहित)।
- विश्व के विभिन्न हिस्सों (भारत सहित) में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों के स्थान के लिये उत्तरदायी कारक
- भौगोलिक विशेषताएँ और उनका स्थान- महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल निकायों और आईस कैप) और वनस्पतियों और जीवों में परिवर्तन और ऐसे परिवर्तनों के प्रभाव

आर्थिक और सामाजिक विकास:

- विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा और आपदा प्रबंधन।
- देश के विभिन्न भागों में प्रमुख फसलों के फसल पैटर्न, विभिन्न प्रकार की सिंचाई और सिंचाई प्रणाली कृषि उत्पादों के भंडारण, परिवहन और विपणन और मुद्दों और संबंधित बाधाओं; किसानों की सहायता में ई-प्रौद्योगिकी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित मुद्दे
- भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, संवृद्धि, विकास और रोज़गार से संबंधित मुद्दे।
- समावेशी विकास और इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दे।
- सरकारी बजट।
- भारत में खाद्य प्रसंस्करण और संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र और महत्त्व, स्थान, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम आवश्यकताएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन। भारत में भूमि सुधार।
- अर्थव्यवस्था पर उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन और औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के उद्देश्य, कार्यप्रणाली, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक और खाद्य सुरक्षा के मुद्दे
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियाँ, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की मूल बातें; धन शोधन और इसकी रोकथाम सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन; आतंकवाद के साथ संगठित अपराध, विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियाँ तथा उनके अधिदेश

सामान्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी:

- प्रौद्योगिकी मिशन; पशुपालन का अर्थशास्त्र।
- **बुनियादी ढाँचा:** ऊर्जा, बंदरगाह, सड़कें, हवाई अड्डे, रेलवे, आदि निवेश मॉडल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और दैनिक जीवन में प्रभाव
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई तकनीक का विकास
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण, और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन
- आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।
- आपदा और आपदा प्रबंधन।

सामान्य रुचि और आचरण विज्ञान:

- **नैतिकता और मानव इंटरफेस:** सार, निर्धारक और मानव कार्यों में नैतिकता के परिणाम; नैतिकता के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नैतिकता।

- **मानवीय मूल्य -** महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन और शिक्षाओं से सबक; मूल्यों को विकसित करने में परिवार, समाज तथा शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका।
- **अभिवृत्ति:** सामग्री, संरचना, कार्य; विचार और व्यवहार के साथ इसका प्रभाव तथा संबंध; नैतिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण; सामाजिक प्रभाव व अनुनय।
- **शासन में सत्यनिष्ठा:** लोक सेवा की अवधारणा; शासन और ईमानदारी का दार्शनिक आधार; सरकार में सूचना साझा करना एवं पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, आचार संहिता, नागरिक चार्टर, कार्य संस्कृति, सेवा वितरण की गुणवत्ता, सार्वजनिक धन का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ उपरोक्त मुद्दों पर केस स्टडीज।
- भारत और विश्व के नैतिक विचारकों और दार्शनिकों का योगदान।
- **लोक प्रशासन में लोक/सिविल सेवा मूल्य और नैतिकता:** स्थिति और समस्याएँ; सरकारी और निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएँ और दुविधाएँ; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में कानून, नियम, विनियम और विवेक; जवाबदेही तथा नैतिक शासन; शासन में नैतिक एवं नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और वित्त पोषण में नैतिक मुद्दे; निगम से संबंधित शासन प्रणाली।
- सिविल सेवा के लिये योग्यता और मूलभूत मूल्य, अखंडता, निष्पक्षता तथा गैर-पक्षपात, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता और करुणा।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता-अवधारणाएँ और प्रशासन और शासन में उनकी उपयोगिता और अनुप्रयोग।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ukpsc-syllabus